www.rojgarsamachar.gov.in
www.employmentnews.gov.in

सत्यमेव जयते

अंग्रेजी एवं उर्दू में भी प्रकाशित
वार्षिक शुल्क : ₹ 350

रोज़गार समाचार

साप्ताहिक

खण्ड 37 अंक 52 पृष्ठ 72 | नई दिल्ली 30 मार्च-5 अप्रैल 2013 | ₹ 8.00

अतुल्य पूर्वोत्तर!

चाय बाग़ान कामगार अब बने छोटे उद्यमी

—सुजित चक्रवर्ती

अड़तालिस वर्षीय मतंग तांगलुआ, जो कि आठ साल पहले तक एक चाय बाग़ान कामगार था, अब उन 5,500 से अधिक उद्यमियों में शामिल हो गया है जो अपने खुद के छोटे-छोटे चाय एस्टेट्स के मालिक बने हुए हैं. ये लोग त्रिपुरा राज्य में एक अर्थपूर्ण योगदान कर रहे हैं जिसमें चाय उद्योग एक महत्वपूर्ण निर्यातक के तौर पर उभर रहा है. चार दशक पहले तांगलुआ का ग़रीब परिवार ओड़ीशा से रोज़गार की तलाश में भटकता हुआ पूर्वोत्तर राज्य त्रिपुरा पहुंच गया. त्रिपुरा में उस वक्त पनप रहे चाय उद्योग ने उन्हें आजीविका प्रदान की और वे परंपरागत चाय कामगार बन गए. तांगुला उस वक्त पांच साल का लड़का था जब उसके माता-पिता और दादा ने उत्तरी त्रिपुरा में एक चाय उद्यान में कामगार के तौर पर अपना जीवन शुरू किया. तांगुला ने कहा, ''मेरे दादा जी की मृत्यु हो गई है, माता-पिता बूढ़े हो गए हैं. आठ वर्ष पहले तक मैं अपने पूर्वजों की भांति एक चाय बागान कामगार था. अब मैं एक छोटा चाय उत्पादक हूं और मेरे पास चाय की खेती के लिए पांच एकड़ से अधिक क्षेत्र है.'' अपनी छोटी-छोटी बचतों और चाय बागान तथा चाय प्रसंस्करण फैक्ट्री, दोनों जगह काम करते हुए हम 'टीला भूमि'' (छोटी पहाड़ी) ख़रीदने के लिए कुछ धन जुटा पाए. हंसमुख मुद्रा में तांगुला ने कहा, ''त्रिपुरा सरकार ने छोटा चाय उद्यान स्थापित करने में मेरी मदद की है.

पूर्वोत्तर राज्य त्रिपुरा में, जिसका 115 वर्ष पुराना चाय बाग़ानों का इतिहास है, पिछले दशक के दौरान जनजातीय और ग़ैर-जनजातीय लोगों में तांगुला जैसे 5500 से अधिक छोटे चाय उत्पादक सफलतापूर्वक प्रगति कर रहे हैं.

मामूली से किसान-चाय कामगार-छोटे उद्यमी चाय बागानों के मालिक होकर न केवल स्वावलंबी बन गए हैं बल्कि उन्होंने अपने दो से तीन एकड़ तक के छोटे-छोटे चाय बागानों में बड़ी संख्या में स्थानीय लोगों को रोज़गार भी उपलब्ध कराया है.

भारत दुनिया में चीन के बाद दूसरा सबसे बड़ा चाय उत्पादक और काली चाय का सबसे बड़ा उपभोक्ता है. यह उल्लेखनीय है कि कुल चाय उत्पादन के 80 प्रतिशत से अधिक हिस्से की देश के भीतर ही खपत हो जाती है. भारत चाय उगाने के क्षेत्र के लिहाज़ से विश्व में दूसरे स्थान पर बना हुआ है. भारत दुनिया में केन्या, चीन और श्रीलंका के बाद चौथा सबसे बड़ा चाय निर्यातक देश है. केन्या और श्रीलंका जैसे प्रमुख निर्यातक देशों के मुकाबले भारत में स्थिति थोड़ी भिन्न है, क्योंकि इन देशों में चाय की घरेलू मांग बहुत कम है और उनके लिए अपने कुल उत्पादन का 95 से 98 प्रतिशत तक निर्यात करना आवश्यक हो जाता है. जहां तक उत्पादन का संबंध है, विश्व में भारत दूसरा सबसे बड़ा चाय उत्पादक देश है और विश्व के कुल उत्पादन में चीन के बाद उसका 23 प्रतिशत हिस्सा है. चीन विश्व के कुल उत्पादन में करीब 32 प्रतिशत अंशदान करता है.

दार्जिलिंग, असम और नीलगिरी से उत्पादित चाय अपनी विशिष्ट गुणवत्ता के कारण विश्व भर में सुप्रसिद्ध है. चाय निर्यातक देश में अच्छी खासी विदेशी मुद्रा का योगदान करते हैं. यह क्षेत्र चाय उत्पादक राज्यों और राष्ट्रीय राजकोष में भी मूल्य-वर्द्धित कर (वैट), कृषि और निगमित आय कर आदि के ज़रिए राजस्व का योगदान करता है. चाय उद्योग दस लाख से अधिक कामगारों को सीधा रोज़गार प्रदान करता है, जिसमें काफी संख्या में

(शेष पृष्ठ 72 पर)

मुख्य संपादक की कलम से

एम्प्लॉयमेंट न्यूज़/रोज़गार समाचार प्रामाणिक सूचना के साथ अब जन-जन तक

हमें अपने ग्राहकों और पाठकों को सूचित करते हुए खुशी हो रही है कि एम्प्लॉयमेंट न्यूज़/रोज़गार समाचार ने 54 करोड़ रु. का राजस्व लक्ष्य पूरा कर लिया है. यह उसने सौंपे गये सार्वजनिक जिम्मेदारियों के साथ बग़ैर कोई समझौता किए हासिल किया है. यह एम्प्लॉयमेंट न्यूज़/रोज़गार समाचार के ग्राहकों के निरन्तर सहयोग और कर्मचारियों की टीम भावना के साथ किये गये प्रयासों का प्रतिफल है.

*2. पिछले साल एम्प्लॉयमेंट न्यूज़ ने आपने वायदे के अनुरूप अधिसंख्य लोगों तक पहुंच कायम करने के वास्ते अभिनव पद्धतियां अपनाईं. एम्प्लॉयमेंट न्यूज़ ने **''सभी को अवसर''** के आदर्श-वाक्य के साथ नया **लोगो** जारी किया. एम्प्लॉयमेंट न्यूज़/रोज़गार समाचार का ई-संस्करण ग्राहकों को मुफ्त उपलब्ध कराया गया है. मुफ्त एसएमएस जॉब अलर्ट सेवा भी शुरू की गई है. रोज़गार सारांश अब हर सप्ताह सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय के ट्विटर, फेसबुक और ब्लॉग पर उपलब्ध होता है. एक अनूठे प्रयोग के तहत एम्प्लॉयमेंट न्यूज़ ने कलपक्कम सामुदायिक रेडियो के ज़रिए आसपास के क्षेत्रों में तमिल भाषा में रोज़गार सूचना उपलब्ध कराने के वास्ते समझौता किया है. सामुदायिक रेडियो स्टेशनों के साथ इसी तरह की और सहमतियां हासिल करने का काम पूरे ज़ोरों पर है.*

3. संपादकीय हिस्से में कई नए फ़ीचर जोड़े गए हैं. पूर्वोत्तर क्षेत्र में युवाओं की आवश्यकताओं का ध्यान रखते हुए ''अतुल्य पूर्वोत्तर'' कॉलम ने एक वर्ष पूरा कर लिया है और यह बहुत ही सफल रहा है. विकलांगजनों को (जिन्हें एम्प्लॉयमेंट न्यूज़ उनकी विशेष परिस्थितियों को ध्यान में रखते हुए पूरा सम्मान प्रदान करता है), समाज की मुख्य धारा से जोड़ने के लिए, एक नया फ़ीचर ''हुनर से रोज़गार'' शुरू किया गया है. हाल में एम्प्लॉयमेंट न्यूज/रोज़गार समाचार को अधिक विषयपरक बनाने के लिए नया स्वरूप दिया गया है.

4. एम्प्लॉयमेंट न्यूज/रोज़गार समाचार के लेआउट और प्रिंट में सुधार के वास्ते उठाये गये कदमों की व्यापक सराहना हुई है, एम्प्लॉयमेंट न्यूज़/रोज़गार समाचार अब अधिक पाठक अनुकूल हो गया है.

5. एम्प्लॉयमेंट न्यूज़/रोज़गार समाचार ग्राहकों तक, विशेषकर दूरदराज़ के क्षेत्रों में, समय पर पहुंचाना एक चिंता का कारण है और शीघ्र ही इसका समाधान हो जाएगा. इस दिशा में प्रौद्योगिकी की मदद से उपर्युक्त कदम उठाए गए हैं.

*6. अब हम अप्रैल, 2013 से अपनी उन्नत वेबसाइट (**http:www.rojgarsamachar.gov.in**) पर एक नया कॉलम ''रोज़गार समाचार वेब विशेष'' शुरू कर रहे हैं. इस कॉलम में एम्प्लॉयमेंट न्यूज़/रोज़गार समाचार के लिए विशेष आलेख शामिल किये जायेंगे और सामान्यतः वे मुद्रित संस्करण में प्रकाशित नहीं होंगे. एम्प्लॉयमेंट न्यूज़/रोज़गार समाचार वेबसाइट को देखने वाले सभी व्यक्ति सामयिक मामलों और सामाजिक-आर्थिक मुद्दों से जुड़े इन आलेखों को पढ़ सकते हैं. मुद्रित संस्करण के पाठक/ग्राहक एम्प्लॉयमेंट न्यूज़ की वेबसाइट को ज़रूर देखें और इन **'वेब विशेष'** को पढ़ें.*

7. हम एम्प्लॉयमेंट न्यूज़/रोज़गार समाचार की तरफसे अपने ग्राहकों और पाठकों को श्रेष्ठतम कॉरिअर हासिल करने की शुभकामनाएं देते हैं, जिससे वे भारत की विकास गाथा का हिस्सा बन सकें और हमें यह पूरा विश्वास है कि एम्प्लॉयमेंट न्यूज़/रोज़गार समाचार उन्हें प्रामाणिक सूचना के साथ रोज़गार प्राप्त करने में मददगार साबित होगा.

रोज़गार सारांश

सेना

● भारतीय थल सेना के सेना शिक्षा कोर में वर्ग 'एक्स' और 'वाई' में हवलदार शिक्षक के रूप में भर्ती के लिए पुरुष उम्मीदवारों से आवेदन आमंत्रित. रिक्तियां : 162
अंतिम तिथिः 30.04.2013

भा.पे.कॉ.लि.

● भारत पेट्रोलियम कॉरपोरेशन लिमिटेड द्वारा 45 सामान्य कर्मचारी-बी के लिए आवेदन आमंत्रित
अंतिम तिथिः 22.04.2013

रा.वि.वि.सं.

● राष्ट्रीय विषाणु विज्ञान संस्थान, पुणे द्वारा 38 तकनीकी अधिकारी-ए, तकनीशियन ए, बी एवं सी, अनुभाग अधिकारी आदि के लिए आवेदन आमंत्रित
अंतिम तिथिः 22.04.2013

बैंकों, सार्वजनिक क्षेत्र उपक्रमों, सशस्त्र सेनाओं, रेलवे और अन्य सरकारी विभागों की अन्य रिक्तियों के लिए अंदर के पृष्ठ देखें.

भाग-2 (पिछले अंक का शेष भाग)

सिविल सेवा परीक्षा में सामान्य अध्ययन के नए पाठ्यक्रम की तैयारीः सही दृष्टिकोण

एस.बी. सिंह

सिविल सेवा (मुख्य) परीक्षा में सामान्य अध्ययन के नए पाठ्यक्रम के मुख्य अंशों से इसके हितधारक अब तक काफी हद तक अवगत हो गए हैं. कुछ वर्गों में थोड़ा बहुत विरोध होने से, नए पाठ्यक्रम पर रोक लग जाने के बावजूद इसने महत्वाकांक्षी उम्मीदवारों के लिए नई चुनौती पेश कर दी है . इसकी मुख्य रूप से दो चुनौतियां हैं; पहली यह कि सही लिहाज़ से पाठ्यक्रम को कैसे समझा जाए और दूसरी यह कि सामान्य अध्ययन के पाठ्यक्रम के हर प्रश्नपत्र के लिए अध्ययन सामग्री का पता कैसे लगाएं. इसमें एक अतिरिक्त तीसरा पहलू भी है कि इतने विशाल पाठ्यक्रम से सामान्य अध्ययन के चार प्रश्नपत्रों में किस तरह के प्रश्न पूछे जाएंगे. सामान्य अध्ययन के नए पाठ्यक्रम की बुनियादी विशेषताएं:

एक दूसरे से जुड़े हुए विषय और कई पाठ्यक्रम एकसाथ (अंतर्विषयक के साथ-साथ बहु-विषयक):

हालांकि सामान्य अध्ययन का पुराना पाठ्यक्रम भी अंतर्विषयक और बहु-विषयक था लेकिन नए पाठ्यक्रम में यह स्तर और अधिक बढ़ गया है. इसमें अब सामाजिक विज्ञान, व्यवहार विज्ञान, तत्व-विज्ञान, मनोविज्ञान और अनुप्रयुक्त विज्ञान तथा प्रौद्योगिकी क्षेत्रों से पाठ्यक्रम सम्मिलित हैं. यह अंतर्विषयक इस लिहाज़ से है कि इसमें सिर्फ उस विषय को ही पढ़ना काफी नहीं है. एक विषय के विश्लेषण के लिए सामाजिक, आर्थिक, राजनीतिक और प्रशासनिक पहलुओं को भी इसमें शामिल किया जाना चाहिए है. उदाहरण के तौर पर भारत की आर्थिक वृद्धि का अध्ययन करने के लिए समाज में असमानताओं, कार्यक्रमों को लागू करने से संबंधित प्रशासनिक मुद्दे, बाहरी घटक आदि का अच्छा ज्ञान होना चाहिए. दूसरे शब्दों में कहें तो नए पाठ्यक्रम में अंतर्विषयक के तहत किसी एक विषय में उससे जुड़े सामान्य पहलुओं का अध्ययन करते हुए उसे पूरी तरह समझने की ज़रूरत है.

पारंपरिक और प्रगतिशील पहलुओं का मिश्रणः

पाठ्यक्रम को ध्यान से पढ़ने पर इसकी दोहरी प्रकृति - पारंपरिक के साथ-साथ प्रगतिशील -के बारे में पता चलेगाः पारंपरिक पहलू वे हैं, जो करीब-करीब एक जैसे रहते हैं जैसे इतिहास, संस्कृति, भौतिक भूगोल आदि. प्रगतिशील पहलू वे हैं जो लगातार बदलते रहते हैं जैसे पर्यावरणीय, सामाजिक-आर्थिक और अंतरराष्ट्रीय मुद्दे आदि. प्रगतिशील पहलुओं को हर रोज़ पढ़ते हुए इस पर ज्यादा ध्यान देने की ज़रूरत है. हमारे समाज, अर्थव्यवस्था और प्रशासन से जुड़े मुद्दों पर ज्यादा ज़ोर देने की ज़रूरत है क्योंकि यह विभिन्न मोर्चों पर देश और समाज के सामने नई चुनौतियों के बारे में उम्मीदवार की जानकारी को जांचते हैं.

सामान्य अध्ययन प्रश्न पत्र-1: भारतीय विरासत और संस्कृति, विश्व का इतिहास और भूगोल तथा समाज.

भारतीय विरासत और संस्कृतिः इस भाग में भारतीय कला, मूर्तिकला, नृत्य, वास्तुकला, संगीत, पर्व, लोकसाहित्य, नाटक, साहित्य आदि सम्मिलित होगा. इसमें प्राचीन समय से हुए भारतीय कला और संस्कृति के क्रम विकास पर ध्यान देना होगा. 250 अंक के इस प्रश्नपत्र में से लगभग 50-70 अंक इस भाग को मिलने की उम्मीद है.

यह किताबे पढ़ सकते हैं:

- गैज़ेटियर ऑफ इंडिया- खंड II
- ए.एल.बशमः द वंडर देट वॉज़ इंडिया
- एस.ए.ए रिज़वीः द वंडर देट वॉज़ इंडिया (खंड II)
- प्रकाशन विभाग और नेशनल बुक ट्रस्ट (एनबीटी) की भारतीय नृत्य, चित्रकला, मंदिर आदि पर किताबें.

आधुनिक भारतीय इतिहासः इसमें 1857 के संग्राम से लेकर आधुनिक समय तक का इतिहास शामिल है. इसमें निम्नलिखित घटक शामिल होंगेः

- राजनीतिक इतिहासः अंग्रेजों की भारत पर हुकूमत.
- स्वतंत्रता संघर्ष : उदारवादी, उग्रवादी, क्रांतिकारी और गांधीवादी युग.
- स्वतंत्रता आंदोलन के महत्वपूर्ण नेता, उनकी विचारधारा और योगदान.
- सामाजिक-धार्मिक आंदोलन.
- अंग्रेज़ों का प्रशासनिक ढांचा.
- अंग्रेज़ों की आर्थिक नीतियां और उनके परिणाम.
- विद्रोहः जनजातीय, किसानों और प्रमुख विद्रोह.
- शैक्षिक और प्रेस संबंधी नीतियां.
- खास-खास गवर्नर जर्नल और उनके द्वारा उठाए गए अहम कदम.

यह भाग 70-80 अंक का हो सकता है.

स्वतंत्रता के बाद भारतः इसमें निम्नलिखित क्षेत्र शामिल हैं:

- भारत के राज्यों का एकीकरण.
- भाषाओं के आधार पर राज्यों का पुनर्गठन.
- राष्ट्र निर्माण का कार्य.
- धर्मनिरपेक्षता, सांप्रदायिकता, पिछड़े वर्ग और वंचित वर्गों के लाभ के लिए नीतियां

यह किताबें पढ़ सकते हैं:

- ताराचंदः हिस्ट्री ऑफ फ्रीडम मूवमेंट इन इंडिया खंड-1 से 4 (प्रकाशन विभाग)
- सुरेन्द्रनाथ सेनः 1857 (प्रकाशन विभाग)
- एंशियेंट इंडिया- कलेक्शन ऑफआर्टिकल (प्रकाशन विभाग)

(शेष पृष्ठ 71 पर)

इंडियन एसोशिएशन फॉर द कल्टीवेशन ऑफ साइंस

जादवपुर, कोलकाता-700032

विज्ञा सं. : आईएसीएस/01/529

इंडियन एसोशिएशन फॉर द कल्टीवेशन ऑफ साइंस (आईएसीएस) विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग द्वारा समर्थित एक सहायता प्राप्त अनुसंधान संस्थान है. आईएसीएस, भारत का प्रधान अनुसंधान संस्थान, 01 जनवरी, 2013 को 55 वर्ष से कम आयु के **ख्याति प्राप्त वैज्ञानिक/शिक्षाविदों** की तलाश में है, **संस्थान के निदेशक** के रूप में चयन करने हेतु. सक्षम उम्मीदवारों का विश्वसनीय शैक्षिक रिकार्ड, ख्याति प्राप्त अनुसंधान दक्षता जो प्रकाशनों द्वारा प्रमाणित हो और अन्य आउटपुट्स होने चाहिए, और उच्च दक्ष अनुसंधान पेशेवरों के समूह को नेतृत्व प्रदान करने की क्षमता होनी चाहिए. व्यक्ति को राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर सीमांत अनुसंधान कार्यक्रमों के निर्देशन/समन्वय का अनुभव होना चाहिए. पोषित मूल अनुसंधान में नेतृत्व प्रदान करने की योग्यता और सम्माननीय विरासत के साथ अनुसंधान संस्थान के प्रशासनिक मामलों में अनुभव.

वेतनमान : एचएजी 67,000- (वार्षिक वेतनवृद्धि @ 3%)-79,000 जमा भत्ते और अन्य लाभ कोलकाता में तैनात केंद्र सरकार के कर्मचारियों के अनुसार ग्राह्य होंगे. नियुक्ति प्रारंभ में पांच वर्ष की अवधि के लिए की जाएगी और विस्तारणीय है.

पूर्ण सी वी सहित आवेदन, कृपया प्रोफेसर एस.के. जोशी, अध्यक्ष, गवर्निंग काउंसिल, इंडियन एसोशिएशन फॉर द कल्टीवेशन ऑफ साइंस, जादवपुर, कोलकाता-700032 के पास भेज सकते हैं, इलेक्ट्रॉनिकली वरीय (**chairperson_council@iacs.res.in**), जो **31 मई, 2013** तक पहुंच जाने चाहिएं. आवेदकों के वर्तमान नियोक्ता की अनुमति, जहां आवश्यक हो, अपेक्षित होगी. राष्ट्रीय अनुसंधान और विकास प्रयोगशाला के प्रधान/विश्वविद्यालयों के वाइस चांसलर्स/विज्ञान और इंजीनियरी अकादमियों के प्रेजीडेंट्स के नामांकनों का भी नामांकित उम्मीदवारों की स्वीकार्यता के साथ स्वागत है.

रजिस्ट्रार

रो.स. 52/97

कर्मचारी भविष्य निधि संगठन

(श्रम मंत्रालय, भारत सरकार)

मुख्य कार्यालय

भविष्य निधि भवन, 14-भीकाजी कामा प्लेस, नई दिल्ली-110066

www.epfindia.gov.in; www.epfindia.nic.in

विषय : ई.पी.एफ.ओ. में कनिष्ठ अभियंता (सिविल एवं वैद्युत) के पद को प्रतिनियुक्ति आधार पर भरना.

कर्मचारी भविष्य निधि संगठन के विभिन्न कार्यालयों में निम्नलिखित पदों को प्रतिनियुक्ति आधार पर भरने के लिए पात्र उम्मीदवारों से आवेदनपत्र आमंत्रित किए जाते हैं.

क्र.सं.	पद का नाम	वेतनमान	पदों की सं.	तैनाती का स्थान (परिवर्तन होने की संभावना)
1.	कनिष्ठ अभियंता (सिविल)	पी.बी.-2 में रु.9300-34800 एवं ग्रेड वेतन रु.4200/- (5500-175 9000 संशोधन पूर्व)	17 (सत्रह)	दिल्ली (2), हरियाणा, हिमाचल प्रदेश, आंध्र प्रदेश, गोवा, कर्नाटक, छत्तीसगढ़, महाराष्ट्र (4), उड़ीसा, गुजरात (2), मध्य प्रदेश, पश्चिम बंगाल
2.	कनिष्ठ अभियंता (वैद्युत)	पीबी-2 में रु.9300-34800 एवं ग्रेड वेतन रु.4200/- (रु.5500-175-9000 संशोधन पूर्व)	11 (ग्यारह)	आंध्र प्रदेश, दिल्ली, गुजरात, हरियाणा, कर्नाटक, महाराष्ट्र, पंजाब, उत्तर प्रदेश, पश्चिम बंगाल, एन.ए.टी.आर. एस.एस. (नई दिल्ली), मुख्य कार्यालय (नई दिल्ली)

(i) कनिष्ठ अभियंता (सिविल एवं वैद्युत)

(क) केवल केंद्रीय/राज्य सरकारी विभागों, सांविधिक/स्वशासी निकायों/संगठनों/केंद्रीय सरकार/राज्य सरकार के नियंत्रणाधीन सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रम के अधिकारी, जो-

(i) नियमित आधार पर सदृश पदधारी हैं, या

(ii) रु. 9300-34800 के वेतनमान एवं ग्रेड वेतन रु. 4200/- (संशोधित) के पदों पर 3 वर्ष की नियमित सेवा रखते हैं या समकक्ष, और

(ख) निम्नलिखत शैक्षिक योग्यता तथा अनुभव रखते हैं:-

(क) केंद्रीय सरकार द्वारा मान्यताप्राप्त संस्थान/बोर्ड से सिविल इंजीनियरी में डिप्लोमा या समकक्ष योग्यता.

(ख) केंद्रीय सरकार द्वारा मान्यताप्राप्त संस्थान/बोर्ड से वैद्युत इंजीनियरी में डिप्लोमा या समकक्ष योग्यता.

कनिष्ठ अभियंता (सिविल एवं वैद्युत) की कार्य प्रकृति :

संगठन की, भूमि एवं भवन के रूप में परिसम्पत्तियां हैं.

मौजूदा परिसम्पत्तियों का रखरखाव एवं चालू परियोजनाओं का संवीक्षण करना अनिवार्य ड्यूटी होगी.

बाहरी परियोजनाओं का संवीक्षण करने के लिए दौरे करने होंगे. अनुमानन ड्राइंग एवं डिजाइन में अनुभव को वरीयता दी जाएगी.

कर्मचारी भविष्य निधि संगठन में प्रतिनियुक्ति की शर्तें :

प्रतिनियुक्ति, केंद्रीय सरकारी विभागों/संगठनों पर यथा लागू कार्मिक एवं प्रशिक्षण विभाग द्वारा जारी अनुदेशों के अनुसार शासित होगी. कर्मचारी भविष्य निधि संगठन में नियुक्ति, यदि आवश्यकता पाई गई तो कर्मचारी भविष्य निधि संगठन द्वारा जारी नियुक्ति की शर्तों के स्वीकार करने पर भी निर्भर होगी. इस नियुक्ति से तत्काल पहले धारित अन्य संवर्ग बाह्य पद की प्रतिनियुक्ति अवधि सहित प्रतिनियुक्ति की अवधि सामान्यतः 3 वर्ष से अधिक नहीं होगी.

उम्मीदवार की अधिकतम आयु सीमा आवेदन पत्र स्वीकार करने की अंतिम तारीख को 56 वर्ष से अधिक नहीं होनी चाहिए.

इच्छुक एवं पात्र अधिकारी अपने आवेदन पत्र नीचे दिए गए प्रारूप में साफ टाइप कराकर उचित माध्यम से भेजें, जो **उदयबक्षी, क्षेत्रीय भविष्य निधि आयुक्त (मा.सं.प्र.), भविष्य निधि भवन, 14, भीकाजी कामा प्लेस, नई दिल्ली-110066 के पास 15 मई, 2013 तक** पहुंच जाने चाहिए. आवेदनपत्र के पिछले 5 वर्षों की ए.सी.आर. की प्रतियां एवं सतर्कता निपटान प्रमाण पत्र संलग्न करें.

उदयबक्षी

क्षेत्रीय भविष्य निधि-आयुक्त

(मा.सं.प्र.)

आवेदन प्रारूप

क्र.सं.	अपेक्षित विवरण	दिए गए विवरण
01.	आवेदित पद : एक से अधिक पदों पर आवेदन करने के लिए अलग-अलग आवेदन पत्र अपेक्षित हैं.	
02.	नाम, पदनाम एवं कार्यालय का डाक का पूरा पता तथा टेलीफोन नंबर, जहां सेवारत हैं.	
03.	विभाग की स्थिति : अर्थात् क्या केंद्रीय सरकारी/राज्य सरकारी हैं एवं मंत्रालय/विभाग का नाम :	
03.	जन्म-तिथि (ईस्वी सन् में)	
04.	शैक्षिक योग्यता	

05. रोज़गार का क्रमिक विवरण (यदि आवश्यक हो तो एक अलग कागज लगाएं)

क्र.सं.	कार्यालय/संस्थान/विभाग/संगठन	धारित पद (नियमित)	से	तक	वेतनमान एवं अंतिम मूल वेतन	कार्य-प्रकृति

06.	वर्तमान नियमित रोज़गार की प्रकृति
07.	अन्य कार्यों की प्रकृति एवं सीमा (अर्थात् अल्पकालीन, प्रतिनियुक्ति आदि)
08.	इस समय प्रतिमाह प्राप्त कुल परिलब्धियां
09.	आप की उपयुक्तता के समर्थन में अतिरिक्त सूचना, यदि कोई हो
10.	क्या अजा/अजजा/अपिव से हैं :
11.	पसंद के तीन केंद्रों का नाम लिखें (वरीयता क्रम में)
12.	संलग्न प्रलेखों के विवरण

स्थान :

तिथि : **उम्मीदवार के हस्ताक्षर**

संवर्ग नियंत्रक प्राधिकारी के कार्यालय में प्रयोग के लिए:

कार्यालय का पता :

संदर्भ सं. **तिथि :**

प्रमाणित किया जाता है कि अधिकारी के उक्त दिए गए विवरणों का सत्यापन कर लिया गया है और सही पाए गए हैं.

प्रमाणित किया जाता है कि अधिकारी के विरुद्ध कोई अनुशासनात्मक कार्रवाई लंबित/विचाराधीन नहीं है. अधिकारी की सत्यनिष्ठा भी प्रमाणित की जाती है ..... वर्षों की ए.सी.आर. की प्रतियां संलग्न हैं.

संवर्ग नियंत्रक प्राधिकारी/

कार्यालय प्रमुख के हस्ताक्षर तथा मोहर

कार्यालय का टेलीफोन नं.:

फैक्स नं.:

ई-मेल आई.डी.

रो.स. 52/6

सिविल सेवा परीक्षा...

(पृष्ठ 1 का शेष)

- एनसीईआरटी- मॉर्डन इंडिया
- एनबीटी- फ्रीडम स्ट्रगल
- बिपिन चंद्र- इंडियाज़ स्ट्रगल फॉर इंडिपेंडेंस
- बिपिन चंद्र- पोस्ट इंडिपेंडेंट इंडिया
- सुमित सरकार- मार्डन इंडिया
- गज़ेटियर ऑफ इंडिया-खंड II.

विश्व का इतिहासः विश्व इतिहास के पाठ्यक्रम को इस तरह अवधारण और व्यवस्थित किया जा सकता हैः

- औद्योगिक क्रांति और उसके प्रभाव.
- दो विश्व युद्धः कारण और प्रभाव.
- राष्ट्र संघ और संयुक्त राष्ट्र संगठन.
- उपनिवेशवाद से मुक्त होने की प्रकिया.
- प्रमुख विचारधाराएंः सांप्रदायिकता, समाजवाद, पूंजीवाद
- शीत युद्ध.
- गुटनिरेक्षता की नीति.
- वैश्वीकरण

यह किताबें पढ़ सकते हैं:

- एनसीईआरटीः द स्टोरी ऑफ सिविलाइज़ेशन (2 खंडों में)
- एनसीईआरटीः कंटेम्परेरी वर्ल्ड हिस्ट्री

एल.मुखर्जीः विश्व का इतिहास. विश्व का भूगोल. भारतीय और विश्व भूगोल दोनों के पाठ्यक्रमों में अनुप्रयुक्त पहलुओं पर ज़ोर दिया गया है. एनसीईआरटी की भारतीय और विश्व भूगोल पर किताबें नए पाठ्यक्रम के लिए भी उतनी ही प्रासंगिक हैं. भूगोल के नए पाठ्यक्रम के लिए निम्नलिखित पुस्तकें मदद कर सकती हैंः

- फिजिकल जियोग्राफीः सविंद्र सिंह
- जियोमोरफोलॉजी सविंद्र सिंह
- ओशियेनोग्राफी :शर्मा और वतल (एनसीईआरटी)
- इकोनॉमिक्स एण्ड सोशल जियोग्राफीः रूपा प्रकाशन
- इन्वायरमेंटल जियोग्राफी :संविद्र सिंह
- सर्वे ऑफ इंडियन एग्रिकल्चर :द हिंदू प्रकाशन
- सर्वे ऑफ इंडियन इकोनॉमी :द हिंदू प्रकाशन
- इंडिया-2013 : प्रकाशन विभाग

सामान्य अध्ययन प्रश्न पत्र-2: सुव्यवस्था, संविधान, राज्य-व्यवस्था, सामाजिक न्याय और अंतरराष्ट्रीय संबंध.

यह प्रश्नपत्र उम्मीदवारों का अत्यंत पसंदीदा प्रश्नपत्र रहने की उम्मीद है क्योंकि इसमें राज्य-व्यवस्था, संविधान और अंतरराष्ट्रीय संबंध जैसे रोचक क्षेत्र शामिल हैं. राज्य-व्यवस्था के नए पाठ्यक्रम को बहुत अच्छे तरीके से बनाया गया है और इसमें निम्नलिखित क्षेत्रों पर बल दिया गया हैः हमारी राज्य-व्यवस्था का ढांचा यानी हमारे राजनीतिक व्यवस्था का संवैधानिक ढांचा.

- हमारी राज्य व्यवस्था के क्रियाशील पहलू.
- सुव्यवस्था से संबंधित मुद्दे.
- लोक प्रशासन.
- राज्य-व्यवस्था पर निम्नलिखित किताबें पढ़ी जा सकती हैः
- डी.डी.बासुः इंडियन कॉंस्टिट्यूशन
- पी.एम.बक्शीः इंडियन कॉंस्टिट्यूशन
- एस.सी.कश्यपः सिटिज़न्स एण्ड द कॉंस्टिट्यूशन (प्रकाशन विभाग).
- बी.एस.बविस्कर और ऐश नारायण रॉयः लोकल गवर्नेंस- ए ग्लोबल पर्सपेक्टिव (प्रकाशन विभाग)
- एस.सी.कश्यपः आवर पार्लियामेंट (एनबीटी)
- एस.सी.कश्यपः आवर कॉंस्टिट्यूशन (एनबीटी)
- एस.सी.कश्यपः आवर पॉलिटिकल सिस्टम (एनबीटी)
- एम.पी.सिंहः इंडियन फेडरलिज़्म (एनबीटी)
- कुलदीप माथुरः फ्रॉम गवर्मेंट टू गवर्नेंस (एनबीटी)

अंतरराष्ट्रीय संबंधः इसमें तीन क्षेत्र शामिल हैंः भारतीय विदेश नीति, अंतरराष्ट्रीय मामले और अंतरराष्ट्रीय संगठन. इस भाग में क्योंकि समकालीन मुद्दों पर सवाल पूछे जाएंगे इसलिए अंतरराष्ट्रीय मामलों विशेषकर भारत से जुड़ी हर दिन की घटनाओं पर पूरी तरह ध्यान देना चाहिए. इस पर निम्नलिखित किताबें पढ़ सकते हैंः

- राजीव सीक्रीः चैलेंज एण्ड स्ट्रेटजी अंडरस्टेंडिंग इंडियाज़ फॉरेन पालिसी.
- सीराजमोहनः क्रॉसिंग द रबिकन
- वर्ल्ड फोकस (पत्रिका)
- द इकोनॉमिस्ट (पत्रिका)

इन क्षेत्रों पर पकड़ बनाने का सबसे उत्तम तरीका है कि प्रमुख समाचार-पत्रों में प्रासंगिक लेखों को पढ़ा जाए. दूरदर्शन समाचार, लोक सभा और राज्य सभा टीवी चैनल अंतरराष्ट्रीय मुद्दों पर बहुत ही अच्छी पैनल चर्चा प्रस्तुत करते हैं. यह चर्चा एक विशेष मुद्दे पर सही और संतुलित दृष्टिकोण तथा समझ देती है.

सामान्य अध्ययन प्रश्नपत्र 3: प्रौद्योगिकी, आर्थिक विकास, जैव-विविधता, पर्यावरण, सुरक्षा और आपदा प्रबंधन.

प्रौद्योगिकीः प्रौद्योगिकी पर प्रश्न अतिसूक्ष्म प्रौद्योगिकी (नैनो-टेक्नॉलिजी), रोबोटिक्स, सूचना प्रौद्योगिकी, अंतरिक्ष आदि जैसे प्रौद्यागिकी के क्षेत्र में हुए नवीनतम विकास से संबंधित होंगे. ज्यादा ज़ोर, विज्ञान और प्रौद्योगिकी क्षेत्र में भारत के अग्रिम और भविष्य के कार्यक्रमों पर होगा. इस भाग के तहत इतने बड़े विषय के लिए कोई एक किताब उपलब्ध नहीं है. विभिन्न स्रोतों से इस संबंध में जानकारी उपलब्ध करने का प्रयास करना चाहिए.

यह पुस्तकें पढ़ सकते हैं:

- प्रकाशन विभाग की इंडिया ईयरबुक-2013: विज्ञान और प्रौद्योगिकी पर अध्याय.
- अंतरिक्ष, परमाणु ऊर्जा विभाग, पर्यावरण मंत्रालय आदि की वार्षिक रिपोर्ट
- डाउन टू अर्थ (पत्रिका)

भारतीय अर्थव्यवस्थाः इस भाग के तहत मौजूदा पाठ्यक्रम को निम्नलिखित अध्ययन सामग्री के जरिए पढ़ा जा सकता है.

- मिश्रा और पुरीः इंडियन इकॉनोमी
- एनसीईआरटीः इंडियाज़ इकोनॉमिक डेवलेपमेंट
- प्रासंगिक आर्थिक सर्वेक्षण
- 12वीं पंचवर्षीय योजना का दस्तावेज़
- बिमल जालानः इंडियाज़ इकोनॉमिक पॉलिसी
- बिमल जालानः एमर्जेंग इंडिया- इकोनॉमिक्स, पॉलिटिक्स एण्ड रिफॉर्म्स
- द इकोनॉमिक टाइम्स, बिज़नस स्टेंडर्ड, फाइनेंशियल एक्सप्रेस जैसा आर्थिक मुद्दों से जुड़ी खबरें देना वाला कोई भी समाचार-पत्र.
- योजना जो हर महीने हिंदी, अंग्रेज़ी, असमिया, बंगाली, गुजराती, कन्नड, मलयालम, मराठी, उडिया, पंजाबी, तमिल, तेलुगु और उर्दू भाषा में प्रकाशित होती है.
- हिंदी/अंग्रेज़ी में कुरूक्षेत्र.
- पर्यावरण और जैव-विविधताः
- एनसीईआरटीः इंडियाज़ फिजिकल एन्वायरमेंट
- टुगेदर, टूवर्ड्ज़ , सेफर इंडियाः सीबीएसई प्रकाशन
- एंसाइक्लोपीडिया ऑफ डिज़ास्टर मैनेजमेंटः एस.एल.गोयल (दीप एण्ड दीप प्रकाशन)

सुरक्षाः आंतरिक सुरक्षा क्योंकि हमारे देश के लिए सबसे बड़ी चुनौती है इसलिए पाठ्यक्रम के इस हिस्से से अच्छे-खासे अनेक सवाल पूछे जा सकते हैं. आंतरिक सुरक्षा के लिए गृह मंत्रालय जिम्मेदार है. एजेंसियों, योजनाओं, प्रणालियों सहित आंतरिक सुरक्षा संबंधी कई महत्वपूर्ण जानकारी इसकी वेबसाइट पर उपलब्ध है. अतः यह वेबसाइट ज़रूर देखी जानी चाहिए और आंतरिक सुरक्षा से संबंधित उपयोगी जानकारी को पढ़ा जाना चाहिए.

यह पढ़ सकते हैं:

- गृह मंत्रालय, रक्षा और विदेश मंत्रालय की वार्षिक रिपोर्ट.

सामान्य अध्ययन प्रश्न पत्र-4: नैतिक मूल्य, सत्यनिष्ठा और अभिरुचिः सामान्य अध्ययन का यह प्रश्नपत्र सिविल सेवा के उम्मीदवारों के लिए बिल्कुल नया है क्योंकि संघ लोक सेवा आयोग ने पहली बार इसे शामिल किया है . इस प्रश्नपत्र का उद्देश्य सार्वजनिक जीवन के प्रति ईमानदारी, सत्यनिष्ठा से संबंधित मुद्दों पर उम्मीदवार के मनोभाव और दृष्टिकोण को समझना है. इसके ज़रिए एक सिविल सेवक के रूप में समाज में विभिन्न मुद्दों और विवादों का हल करने में उसके दृष्टिकोण को भी समझने का प्रयास है.

नैतिक मूल्य और सत्यनिष्ठाः यह दो अवधारणाएं लोक प्रशासन से ली गई हैं. यह सार्वजनिक जीवन में प्रशासनिक नैतिक मूल्यों और सत्यनिष्ठा से जुड़ी हैं. समाज के समक्ष मुद्दे और नागरिक समाज समूहों द्वारा उठाए गए मसलों पर ध्यान देते हुए समाचार-पत्रों को नियमित रूप से पढ़ने से इस संबंध में मदद मिलेगी. इन दो क्षेत्रों में निम्नलिखित स्रोतों से जानकारी हासिल की जा सकती हैः

1. मोहित भट्टाचार्य- न्यू होराइज़न्स ऑफ पब्लिक एडमिनिसट्रेशन

2. निकोलस हेनरी- पब्लिक एडमिनिस्ट्रेशन एण्ड पब्लिक अफेयर्ज़

3. एस.आर.महेश्वरी और अवस्थीः पब्लिक एडमिनिस्ट्रेशन अभिरुचिः यह विषय मनोविज्ञान से जुड़ा है . इसके सैद्धांतिक पहलुओं को मानेविज्ञान की किसी भी अच्छी किताब पढ़कर समझा जा सकता है. एक उम्मीदवार को ऐसे मूल्य भी अपने अंदर सहेजने होंगे जिससे समाज के प्रति उसकी अभिरुचि बन सके. यह मूल्य हैः सत्यनिष्ठा, निष्पक्षता, कोई पक्षपात नहीं, वस्तुनिष्ठा, लोक सेवा के प्रति समर्पण, समानुभूति, धैर्य और कमज़ोर वर्गों के प्रति दया.

सामान्य अध्ययन का नया पाठ्यक्रम उम्मीदवारों के लिए वास्तव में बहुत बड़ी चुनौती पेश करता है. पर हर चीज़ का हल होता है. दो मुख्य चुनौतियां हैं विभिन्न स्रोतों से अध्ययन सामग्री को इकट्ठा करना और दूसरा, इसे पाठ्यकम की ज़रूरत के हिसाब से उपयोग करना. इसके लिए मानसिक रूप से परिपक्वता और काफी अच्छे मार्गदर्शन की ज़रूरत है. सामान्य अध्ययन के नए पाठ्यक्रम के लिए उम्मीदवार को कम से कम एक साल पहले से तैयारी शुरू करनी चाहिए ताकि उसकी इस पर अच्छी पकड़ बन सके. **(समाप्त)**

(लेखक एक शिक्षाविद् हैं और सिविल सेवाओं तथा अन्य प्रतियोगी परीक्षाओं सहित सिविक मुद्दों पर लिखते हैं.

ई-मेलः sb_singh2003yahoo.com)